मुक्तस्वाध्यायपीठम्
(Institute of Distance Education)
केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयः
५६-५७, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी,
नवदेहली-११० ०५८

प्राकृत परिचय पाठ्यक्रम (Elementary Course in Prakrit)

प्रदत्तकार्यम् (Assignment)

2021-22

पत्रम् - ..... विषयः - .....

अध्येतुः नाम - ..... पञ्जीकरणसंख्या - .....

अध्येतुः कृते एतत्पुस्तिकाप्रेषणदिनाङ्कः - .....

अध्येत्रा उत्तराणि विलिख्य एतत्पुस्तिकाप्रत्यर्पणदिनाङ्कः - .....

अध्येतुः हस्ताक्षरम्

मूल्याङ्कनकर्तुः नाम - .....

मूल्याङ्कनकर्त्रा एतत्पुस्तिकाप्राप्तिदिनाङ्कः - .....

मूल्याङ्कनकर्त्रा मूल्याङ्कनानन्तरं संस्थाने समर्पणदिनाङ्कः - .....

अध्येत्रा प्राप्ताङ्काः -

प्रथमं प्रश्नपत्रम्	निर्धारिताङ्काः	प्राप्ताङ्काः
I.	05 x 02 = 10 अङ्काः	
II.	02 x 05 = 10 अङ्काः	
III.	01 x 10 = 10 अङ्काः	
	पूर्णाङ्काः 30	प्राप्ताङ्काः .....

मूल्याङ्कनपुरस्सरं परामर्शैः सह अध्येतुः कृते एतत्पुस्तिकायाः पुनःप्रेषणदिनाङ्कः - .....

मूल्याङ्कनकर्तुः हस्ताक्षरम्

स्थानम् – .....

दिनाङ्कः – .....

अध्येतुः कृते परामर्शाः,

प्रिय अध्येता ! भवता/भवत्या पूरितं प्रदत्तकार्यम् अवलोकितम्। मूल्याङ्कनं कृतम्। मूल्याङ्कनस्य आधारेण कुत्र कुत्र भवदीयः दोषः/लोपः/विस्मृतिः/भ्रान्तिः अभवत् इति ज्ञात्वा स्वाध्यायं पुनः प्रवर्तयतु। शुभकामनाः।।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

मूल्याङ्कनकर्तुः हस्ताक्षरम्

दिनाङ्कः .....

© मुक्तस्वाध्यायपीठम्, केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयः, नवदेहली, २०२१-२२

प्राकृत परिचय पाठ्यक्रम

पूर्णाङ्कः - 100

निर्देशः– सभी प्रश्न अनिवार्य है। यह प्रश्न पत्र 100 अंकों का है। इस प्रश्न पत्र में कुल तीन खण्ड है। (क) अति लघुत्तरीय बीस (20), (ख) लघुत्तरीय आठ (8) एवं (ग) दीर्घउत्तरीय दो (2)

खण्ड- क (अति-लघु उत्तरीय प्रश्न)

किन्हीं बीस प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **20 x 2 = 40**

1. प्राकृत के पाँच ग्रंथों के नाम लिखिए।
2. प्राकृत के व्यंजन और उनके उच्चारण स्थान लिखिए।
3. धातुरूपों की पाँच विशेषताएं लिखिए।
4. वर्ण विन्यस्त क्या है? उदाहरण सहित लिखिए।
5. व्यंजन संधि की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए।
6. पठितानुसार प्राकृत के भेदोपभेदों को लिखिए।
7. प्राकृत शब्द की व्युत्पत्ति और उसके विविध अर्थों को लिखिए।
8. अयोगवाह वर्ण कौन-कौन से हैं? उच्चारण स्थान लिखिए।
9. 'ऐ' वर्ण का परिवर्तन सोदाहरण लिखिए।
10. वर्ण व्यत्यय क्या है? उदाहरण सहित लिखिए।
11. संयुक्त वर्ण में 'ब, ल, व और र' का प्राकृत में क्या परिवर्तन होता है? लिखिए।
12. प्राकृत में विसर्ग सन्धि का क्या नियम है? उदाहरण सहित लिखिए।
13. प्राकृत में कितनी विभक्ति है? लिखिए।
14. भविष्यतकाल के सामान्य नियम और उनके प्रत्यय लिखिए।
15. प्राकृत वर्णमाला लिखिए।
16. प्राकृत के व्याकरणग्रंथ और उनके कर्ता का नाम लिखिए।
17. ''अप्पाणं अमुणंता जे आरंभंति दुग्गमं कज्जं।
    परमुहपलोइयाणं ताणं कह होइ जयलच्छी।।'' गाहा का भावार्थ लिखिए।
18. शिष्ट और महापुरूष से रहित राज्य कैसा होता है? लिखिए।

19. स्थुल चोरी के अतिचार लिखिए।

20. 'मुणि' शब्द के रूप पंचमी और तृतीया विभत्ति में लिखिए।

21. स्वरभक्ति क्या है? उदाहरण लिखिए।

22. पियस्स आणा अइइक्कमणीअ त्ति चिंतिऊणं,

सा भोयणकाले ताणं थूलं रोट्टगं, घयजुत्तं देइ। अर्थ लिखिए।

23. 'अंगूठी मिलने का रहस्य' वाक्य का प्राकृत अनुवाद कीजिए।

24. समोणआइ, दिसिव्व्यस्स, अदिण्णादाणवेरमणस्स, कण्णाद्धारविहीणं, दिढलोहसंखलाण, देसियसद्दपलोट्टं शब्दों का अर्थ लिखिए।

25. नाटकों में विदुषक कौन सी प्राकृत का प्रयोग करता है?

खण्ड- ख (लघु उत्तरीय प्रश्न)

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **5 x 8 = 40**

1. प्राकृत वर्णमाला का उच्चारण स्थान अनुसार लिखिए।

2. असंयुक्त व्यञ्जन परिवर्तन के नियमों को सोदाहरण लिखिए।

3. 'मुनि' शब्द का रूप सभी विभक्ति और वचन में लिखिए ।

4. प्राकृत और संस्कृत में अन्त:सम्बन्ध प्रतिपादित कीजिए।

5. पठितांशानुसार उवासगदसाओ पाठ की समीक्षा लिखिए।

6. प्राकृत की परिभाषा लिखते हुए, उसका वैशिष्ट्य प्रतिपादित कीजिए।

7. पठित नाटकों में किन किन प्राकृतों का प्रयोग किया गया है।सोदाहरण लिखिए

8. प्राकृत काव्यों की समीक्षा पठितांश के आधार पर कीजिए।

खण्ड- ग (दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **2 x 10 = 20**

1. प्राकृत साहित्य का विकासक्रम लिखिए।

2. प्राकृत और संस्कृत साहित्य में अन्त:सम्बंध विषय पर निबंध सोदाहरण लिखिए।

3. प्राकृत नाट्य साहित्य का संस्कृत नाटकों में अवदान विषय पर निबंध लिखिए।

4. वर्तमान में प्राकृत अध्ययन की प्रासंगिकता विषय पर स्वरचित निबन्ध लिखिए।